

## Padma Shri



### **PROF. SRIDHAR MAKAM KRISHNAMURTHY**

Prof. Sridhar Makam Krishnamurthy is a Teacher, Researcher, Education Policy Expert, and Institution builder, deeply rooted in Bhartiya philosophy and values.

2. Born on 15<sup>th</sup> September, 1954, Prof. Krishnamurthy was educated at SDGS College in Hindupur, and then at Bangalore and Mysore University. He served as Lecturer in Vijaya College, Bangalore, and Professor at Bangalore University. As a student and teacher Karyakarta of Akhil Bharatiya Vidyarathi Parishad and as a Swayamsevak of Rashtriya Swayam Sevak Sangh, he reached out to numerous people, engaging them deeply in the endeavour of National Reconstruction, through and with education. His roles in education and public service have ranged from: Executive Director of Karnataka Knowledge Commission; Project Lead of Management Development Programme in Karnataka; Member of Central Advisory Board of Education; Member of University Grants Commission, of Boards of various Central Universities, and National Assessment and Accreditation Council. He played a key role in the development of the National Education Policy 2023 and National Curriculum Framework of 2023, as critical member of the team led by Dr K Kasturirangan.

3. Prof. Krishnamurthy's original thoughts and insights in the field of Management were the energy behind his setting up the Centre for Leadership and Management in Public Services. He also rejuvenated the Centre for Educational and Social Studies, successfully managed the Gnana Fellowship in Public Services and was a special fellow of Indian Council for Social Science and Research on 'Management of and by Common man'. At present, he is the founding Chancellor of the Chanakya University in Bengaluru.

4. Prof. Krishnamurthy was a Paul Harris Fellow at the Rotary Foundation of Rotary International. He is a recipient of Karnataka Rajyotsava and Kempagowda awards as well as "Shikshan Bhushan" of Akhil Bharatiya Rashtriya Shaikshika Mahasangh and General President Gold Medal of Indian Science Congress Association.

पदम श्री



## प्रो. श्रीधर माकम कृष्णमूर्ति

प्रो. श्रीधर माकम कृष्णमूर्ति भारतीय दर्शन और मूल्यों से गहराई से जुड़े एक शिक्षक, शोधकर्ता, शिक्षा नीति विशेषज्ञ और संस्थान निर्माता हैं।

2. 15 सितंबर 1954 को जन्मे, प्रो. कृष्णमूर्ति की शिक्षा हिंदूपुर के एसडीजीएस कॉलेज और फिर बंगलौर तथा मैसूर विश्वविद्यालय में हुई। उन्होंने विजया कॉलेज, बंगलौर में व्याख्याता और बंगलौर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक छात्र और शिक्षक कार्यकर्ता के रूप में और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में उन्होंने असंख्य लोगों तक अपनी पहुंच बनाई और उन्हें शिक्षा के जरिये राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के प्रयास में मजबूती से शामिल किया। शिक्षा और जन सेवा में उनकी भूमिकाएं कर्नाटक नॉलेज कमीशन के कार्यकारी निदेशक से लेकर कर्नाटक में प्रबंधन विकास कार्यक्रम के प्रोजेक्ट लीड; केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों के बोर्ड तथा राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद के सदस्य के रूप में हैं। उन्होंने डॉ. के कस्तूरीरंगन के नेतृत्व वाली टीम के महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2023 और 2023 के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

3. प्रबंधन के क्षेत्र में प्रो. कृष्णमूर्ति के मूल विचार और अंतर्दृष्टि की ऊर्जा के परिणामस्वरूप सेंटर फॉर लीडरशिप एंड मैनेजमेंट इन पब्लिक सर्विस की स्थापना हुई। उन्होंने सेंटर फॉर एजुकेशनल एंड सोशल स्टडीज में भी नई ऊर्जा का संचार किया, लोक सेवा में ज्ञान फेलोशिप का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया और 'मैनेजमेंट ऑफ एंड बाई कॉमन मैन' पर इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस एंड रिसर्च के विशेष फेलो थे। वर्तमान में, वह बेंगलुरु में चाणक्य विश्वविद्यालय के संस्थापक चांसलर हैं।

4. प्रो. कृष्णमूर्ति रोटरी इंटरनेशनल के रोटरी फाउंडेशन में पॉल हैरिस फेलो थे। उन्हें कर्नाटक राज्योंत्सव और केम्पागौड़ा पुरस्कारों के साथ-साथ भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का "शिक्षण भूषण" पुरस्कार मिल चुका है और इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन का जनरल प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल भी मिला है।